नई दिल्ली से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय फिल्म ट्रेड साप्ताहिक

R.N.I. No.

फिल्म रिपोर्टर

26 जून से 02 जुलाई 2010 तक

प्रसाद ग्रुप के नये थ्रीडी कैमरे से अब भारत में भी बनेगी अवतार जैसी फिल्में

भारत सरकार द्वारा दादा साहेब फालके पुरस्कार से सम्मानित निर्माता-निर्देशक एल. वी. प्रसाद द्वारा स्थापित बैनर प्रसाद प्रोडक्शन के तहत हिन्दी फिल्म उद्योग जगत को 'शारदा', 'छोटी बहन', 'हमराही', 'बेटी बेटे', 'ससुराल', 'बिदाई', 'जीने की राह', 'मिलन', 'खिलौना', 'उधार का सिंद.ूर', 'एक दूजे के लिये' आदि के रूप में सफल व यादगार फिल्में मिली है। हालांकि अब इस बैनर द्वारा एक लंबे अर्से से किसी हिन्दी फिल्म का निर्माण नहीं किया गया है पर तकनीक के क्षेत्र में प्रसाद ग्रुप अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। देश के पांच बड़े शहरों में प्रसाद लैब कार्यरत है जहां फिल्मों को आधुनिक तकनीकी जामा पहनाने का काम सुचारू रूप से किया जा रहा है। 70एमएमं, सिक्स ट्रैक्स रिकॉर्डिंग के साथ-साथ हिन्दी फिल्मों को पेनाविजन कैमरे से परिचय करवाने का श्रेय भी प्रसाद ग्रुप को ही जाता है और अब भारत में लेटेस्ट थ्रीडी कैमरा लाने का श्रेय भी प्रसाद ग्रुप ने पा लिया है।

'टाइटेनिक' फेम निर्देशक जेम्स केमरून द्वारा बनायी गयी थ्री डी फिल्म 'अवतार' ने अपने तकनीकी कौशल के बल पर पूरी दुनिया में हंगामा मचा दिया था। हर किसी को इस फिल्म में पेश की गयी थ्रीडी करामात ने चकित कर दिया था। अब प्रसाद ग्रुप के प्रयासों की बदौलत वही थ्रीडी करामात भारत में भी उपलब्ध हो गयी है। प्रसाद ग्रुप द्वारा कनाडा से थ्रीडी कैमरा भारत में लाया गया है। इस कैमरे की मदद से अब भारत में 'अवतार' सरीखी थ्रीडी इफेक्टवाली फिल्म बनाना संभव हो गया है। इस आधुनिक कैमरे के बारे में जानकारी देने हेतू प्रसाद ग्रुप द्वारा मुंबई में एक वर्कशॉप आयोजित की गयी जहां फिल्म इंडस्ट्री के कई नामी कैमरा मैन व निर्देशक उपस्थित थे अशोक मेहता, निर्मल जानी, प्रवीण भट्ट, डब्ल्यू बी. राव, अनिल मेहता, सुदीप चटर्जी, आर. एम.राव, धरम गुलाटी आदि कैमरामैन के साथ-साथ इस वर्कशॉप में कबीर बेदी, जॉनी बख्शी, यश चोपड़ा, विनय सिन्हा, मनोज अग्रवाल, पंकज पराशर, मनमोहन शेट्टी, अंजन श्रीवास्तव, प्रेम सागर, के रविशंकर, विक्रम भट्ट, अभिषेक कपूर और अभिनेता विक्रम भी वहां उपस्थित थे। अभिनेता जीतेन्द्र के एल वी प्रसाद के परिवारजनों से अच्छे संबंध हैं इसलिये जीतेन्द्र भी वहां विशेष रूप से हाजिर रहे थे।

भारत में इस थ्रीडी कैमरे को लाने के बारे में स्व. एल.वी. प्रसाद के बेटे रमेश प्रसाद ने कहा 'हैदराबाद में हमारा आय मैक्स थियेटर हैं, जब वहां 'अवतार' रिलीज हुई तो इसे देखने भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। इस फिल्म में पेश की गयी थ्रीडी तकनीक देख दर्शक अपने दांतों तले उंगली दबा लिया करते थे। थ्रीडी का जादू यह रहा कि तकरीबन ढाई लाख दर्शकों ने यह फिल्म हमारे इस सिनेमाघर में देखी और सिर्फ इस एक सिनेमाघर से फिल्म ने ढाई करोड़ रूपये कमाएं। 'अवतार' की सफलता से यह बात साफ थी कि दर्शकों को फिल्मों में कुछ नयापन चाहिए। बस, इस नये पन वाली सोच ने हमें इस कैमरे को भारत में लाने को प्रेरित किया।'

रमेश प्रसाद के बेटे साइ प्रसाद ने कहा, 'इस कैमरे की तकनीक की बदौलत दर्शक खुद को फिल्म से जोड़ देता है और यही इस कैमरे का कमाल है। जैसा कि फिल्म 'अवतार' में हुआ।'

अभिनेता जीतेन्द्र ने इस कैमरे को देख इसे आने वाले कल का हीरो कहा और बताया कि इस कैमरे की बदौलत हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में एक नये युग का आरंभ हो रहा हे। इस कैमरे को हीरो करार देते हुए उन्होंने इस कैमरे के साथ तस्वीरें भी खिंचवायी।'